

15.08 hrs.

SUGARCANE PRICE (FIXATION) BILL*

SHRI P. RAJAGOPAL NAIDU (Chittoor): I beg to move for leave to introduce a Bill to fix the price of sugarcane.

MR. CHAIRMAN: The question is:

"That leave be granted to introduce a Bill to fix the price of sugarcane."

The motion was adopted.

SHRI P. RAJAGOPAL NAIDU: I introduce the Bill.

15.51 hrs.

CONSTITUTION (AMENDMENT) BILL*

(Omission of article 310, etc.)

SHRI BHAGAT RAM (Phillaur): I beg to move for leave to introduce a Bill further to amend the Constitution of India.

MR. CHAIRMAN: The question is:

"That leave be granted to introduce a Bill further to amend the Constitution of India."

The motion was adopted.

SHRI BHAGAT RAM: I introduce the Bill.

15.10 hrs.

UNEMPLOYMENT ALLOWANCE BILL

BY SHRI LAKKAPPA—Contd.

MR CHAIRMAN: We now take up further consideration of the following motion moved by Shri K. Lakkappa on the 10th March, 1978, namely:—

"That the Bill to provide for compulsory payment of allowance to all

unemployed persons in the country be taken into consideration."

डा० रामजी सिंह (भागलपुर) : सभापति महोदय, श्री लकप्पा ने जो यह विधयक उपस्थित किया है, उस का मैं सिद्धांत रूप में स्वागत करता हूँ लेकिन जैसा मैं ने एक रचनात्मक संशोधन उपस्थित किया है, उस के अनुसार इस में थोड़ा जोड़ना चाहता हूँ।

लकप्पा साहब के अनुसार बेरोजगारी केवल शिक्षित लोगों में ही है। इन से बढ़ कर कोई बड़ा अन्याय नहीं हो सकता है। जितने शिक्षित बेरोजगार हैं उन से कई गुना ज्यादा अशिक्षित बेरोजगार है। इसलिए उन का ध्यान उस तरह दिलाने के लिए मैं ने यह संशोधन दिया है।

श्री बलंत साठे (अकोला) : बिल से सब के लिए है एजूकेटेड और अनएज्यूकेटेड।

डा० राम जी सिंह : हमारे माननीय साठे साहब ने मूल विधयक का अध्ययन नहीं किया है। अगर व धारा 2 को देख तो पाएंगे ;

"Every educated person including doctors, engineers...."

तो मैं यह कह रहा था कि बेरोजगारी की समस्या केवल शिक्षित लोगों की ही नहीं होती है बल्कि अशिक्षित लोगों की भी है और बेरोजगारी का सवाल केवल भारतवर्ष के लिए ही नहीं है बल्कि वह एक ग्लोबल फनोमेनन है और साम्यवादी देशों को छोड़ कर ऐसा कोई देश नहीं है जहाँ पर यह सवाल न हो, यहाँ तक कि विकसित देशों जैसे अमेरिका और इंग्लैंड जैसे देशों में बेरोजगारी की समस्या बढ़ती जा रही है। अगर समय रहता तो मैं आप के सामने आंकड़ देता कि किस तरह से अमेरिका और इंग्लैंड जैसे विकसित और उन्नत देशों में प्रति वर्ष बेकारी का प्रश्न बढ़ता ही जा रहा है लेकिन भारतवर्ष की